









# 27 सालों की दूरी खत्म

दक्षिण अफ्रीका आखिरकार, अपनी आईसीसी ट्रॉफीयों से 27 सालों से चली आ रही दूरी को खत्म करने में सफल हो गया। यह दूरी उन्होंने विश्व टेस्ट वैंपियनशिप जीत कर खत्म की है। इस सफलता के साथ ही उनके ऊपर लगा चोकर्स का टेंग भी हट गया है। दक्षिण अफ्रीका ने 1998 में एकमात्र आईसीसी ट्रॉफी के रूप में नॉकआउट ट्रॉफी जीती थी और बाद में इसी ट्रॉफी को वैंपियन ट्रॉफी का नाम दे दिया गया था। इसके बाद तमाम मौकों पर वह वैंपियन बनने की तरफ बढ़ता दिखा पर महत्वपूर्ण मौकों पर लड़खड़ाहट की वजह से उसके साथ चोकर्स का टेंग चर्खा हो गया था जो इस सफलता के बाद हट गया है। क्रिकेट के मरक्का कहे जाने वाले लंदन के लार्ड्स मैदान पर खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने उत्तर-चढ़ाव वाले फाइनल में गत वैंपियन ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका की जीत के हीरो एडन मार्करम और कप्तान टेम्बा बवूमा रहे। मार्करम ने किसी भी गेंदबाज को अपने ऊपर हाती नहीं होने दिया और अपनी शतकीय पारी से जीत की झब्बारत लिख दी। कप्तान बवूमा ने अच्छी कप्तानी तो की ही साथ ही हैमस्ट्रिंग का शिकार बनने के बाद भी विकेट पर डटे रहकर मार्करम का भरपूर साथ दिया। दोनों के बीच 147 रन की साझेदारी जीत का आधार बनी। यह सफलता दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को आगे ले जाने में बहुत मददगार साबित होगी। दक्षिण अफ्रीका ने जब 2023-24 में न्यूजीलैंड का टेस्ट दौरा किया था, तो दौरे में सभी सीनियर खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं कर पाया था। लेकिन इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने कम अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताना शुरू किया और इसके बाद टीम ने लगातार आठ टेस्ट जीत कर विश्व टेस्ट वैंपियनशिप के फाइनल में पहली बार खेलने की राह बनाई और वह पहले ही प्रयास में विजेता बन गया। तीन बार इस वैंपियनशिप का अब तक आयोजन हुआ है, और हर बार नई टीम वैंपियन बनी है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया वैंपियन बन चुकी हैं। भारतीय टीम दो बार फाइनल तक चुनौती पेश करके भी विजेता नहीं बन सकी है। भारतीय टीम इसी माह इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज की शुरुआत करके 2025-27 विश्व टेस्ट वैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करने जा रही है। इसमें प्रदर्शन से ही इस बार भारत की चुनौती में कितना दम है, पता चल सकेगा।

**सिद्धपौठ तारापौठः** जहां देवी तारा के साथ होती हैं उनके परम भवत बामा खेपा की पूजा।

નિવાસ નિર્માણ

(गुप्त नवरात्र के अवसर पर विशेष) पद्मोक्त वर्ष शतल पथ की प्रतिपादा की निशि

प्रत्यक वष शुक्र पक्ष का प्राप्तिदा का तथा स आरभ होने वाले गुप्त नवरात्र के दिन से (इस वर्ष 26 जून से) पूरे देश में देवी दुर्गा की दस महाविद्याओं का पूजन-अनुष्ठान शुरू हो जाता है। देवी के दस महाविद्याओं में मां काली, मां षष्ठी, मां भूमध्यी, मां भैरवी, मां छित्रमस्तिका, मां धूमावती, मां बगलामुखी, मां मातंगी तथा मां कमला के साथ मां तारा के नाम शामिल हैं जिनके मंत्रोच्चारों से गुप्त नवरात्र के नवों दिन गूंजायमान रहते हैं। साल के बारहों महीने भक्त श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार तारापीठ में गुप्त नवरात्र के दिनों में देश के अन्य शक्तिपीठों की तरह खास चहल-पहल रहती है। देवी के दस महाविद्याओं में मां तारा का विशेष महान्यत्व है जिनका सिद्धार्थी पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के रामपुर हाट स्टेशन के निकट अवस्थित है। नील सरस्वती, एकजटा भवानी, तारा तारिणी आदि नामों से संबोधित मां तारा परम कल्याणी मानी जाती है। करुणामयी तारा मां की एक खास विशेषता यह है कि ये भक्त-वत्सल हैं तथा सबकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं। तभी तो तारापीठ मंदिर परिसर में मां तारा के साथ उनके परम भक्त बामा खेपा की भी पूजा होती है। ऐसा उदाहरण विरले ही मिलेगा कि एक ही स्थान पर भगवान के साथ उनके भक्त की भी पूजा होती हो। कहते हैं कि तारा मां और उनके अनन्य भक्त बामा खेपा के बीच माता और पुत्र का संबंध था जिनकी कई रोचक कहनियां आपको तारापीठ में प्रवेश करने के साथ ही सुनने को मिलतीं। तारापीठ बंगाल के साथ पूर्वोत्तर भारत का एक प्रमुख शक्ति-स्थल है जो पटना-हावड़ा लूप रेल लाईन पर झारखण्ड-बंगाल की सीमा पर रामपुर हाट स्टेशन (बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल) से करीब 8 किमी दूर द्वारिका नदी के तट पर स्थित है। एक खास बात यह है कि बंगाल में शक्ति-पूजा की प्राचीन परम्परा है। यहां के घर-घर में देवी काली की पूजा होती है जिनके मंदिर यहां के हर गली-मुहल्लों में देखने को मिल जायेंगे। तारापीठ (बीरभूम) के अलावे कालीघाट (कोलकाता), कंकाली तल्ला व नलहड्डी (बीरभूम) और

किसी देवी की तरह नहीं, वरन् मां के रूप में करते थे जिसका कारण मंदिर के पुजारी उह्ये बीच-बीच में प्रताङ्गित हो रहते थे। इस संबंध में अपनी पुस्तक में डेविड आर.फिंच एक घटना का जिक्र करते हुए कहते हैं कि एक बार वे ने तारा मां को भोग लगाने के पहले ही उसके फल उठाकर खा लिया जिससे क्रोधित होकर पुजारियों ने मंदिर से निकाल बाहर कर दिया। मां के विषयों में बगल के शमशान में एक एक पेड़ के नीचे बामा खेपा की रट लगाते हुए विलाप करने लगे। कहते हैं कि अपने पुत्र इस दशा से मां तारा ने विह्वल होकर नाटोर स्टेट की राजिनके राज में तारापीठ पड़ता था, को स्वप्न दिया है मेरा पुत्र शमशान में खूबा पड़ा है, तो मैं तुम्हारा भोजन स्वीकार कर सकती हूँ, पहले उसको भोजन दो। उन नाटोर स्टेट की रानी की तरफ से मां तारा को प्रतिदिन चढ़ाने की परंपरा थी। देवी के आदेश का रानी ने तत्व पालन किया और मां को भोग लगाने के पहले शमशान मां की रट लगाते बेसुध बामा खेपा को भोजन कराया। से देवी को भोग लगाने के पूर्व बामा को भोजन देने परिपाटी चल पड़ी। ऐसी मान्यता है कि मां तारा ने बामा खेपा को दर्शन दिये थे। तारापीठ आनेवाले हर शद्धालु तारा के साथ उनके अनन्य भक्त बामा खेपा के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हैं। तारा मां को को जवा, कमल और नीम अपराजिता के फूल अत्यंत प्रिय हैं, इस कारण शद्धालु इन फूलों को आवश्यक रूप से माँ को अर्पित करते हैं और तत्पश्चात मंदिर परिसर में स्थित बामा खेपा के मृणमें पूजन-दर्शन करते हैं। ऐसे ते यहां सालों भर भक्तों तांता लगा रहता है, किंतु शनिवार और रविवार-सोमवार को माँ तारा का दर्शन-पूजन परम आनन्ददायक फलदायी माना जाता है। श्रावण के महीने में देश विद्युत स्थानों से देवघर वैद्यनाथ थाम (झारखण्ड) अथवा वैद्यनाथ ज्योतिलिंग को सुल्तानगंज (भागलपुर जिला बिहार) की उत्तर बाहिनी गंगा का जल अर्पित करनेवालाओं कांवरियां शिवभक्त तारापीठ आकर मां तारा अर्पित सप्ताह बताते हैं।

# लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावटः एक चिंताजनक संकेत

प्रियका सारभ

कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी

में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों में यह अपेक्षा ज्यादा कम है।

मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि

ता केवल एक अब समय आ गया है। नहीं, भारत की भारत केवल योजना बनाने त लिए भी अनिवार्य सीमित न रहे, बल्कि उन्हें जर्मनी की तरह दुनिया के दूसरे देशों में भी विस्तार किया जा सकता है।

का लड़ाक्या का शक्ति स वाचत करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुद्धिवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं। स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्तलिप्ता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय महिला आरक्षण विध्यक 2023 परित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून परित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दर्शाता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीतय चाहिए।

ल स्स्थान का देवता भारत कार्यबल भागीदारी बढ़ाता हुआ अपनी सकल दीपीपी में 700 की वृद्धि कर दी, स्वास्थ्य और अपनों की भागीदारी आप भी अधिक समावेशी होते हैं। अधिकारीय क्षमता गी, जब उसमें भी और समान तत की जाएगी। यहाँ गहरी है। सामाजिक मूल्य, वर्गजनक स्थानों लिए सुरक्षा की उपकरणों तक प्रौद्योगिकीयों के ढेलाई—ये सभी असमानता को पर उतार। महिला आश्रित विधयों को लागू करने हेतु जनगणना अधिकारीय निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया द्वारा प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल करने वाली उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था को जाए, विशेषज्ञ ग्रामीण इवं अर्थ-नगरीय क्षेत्रों में।

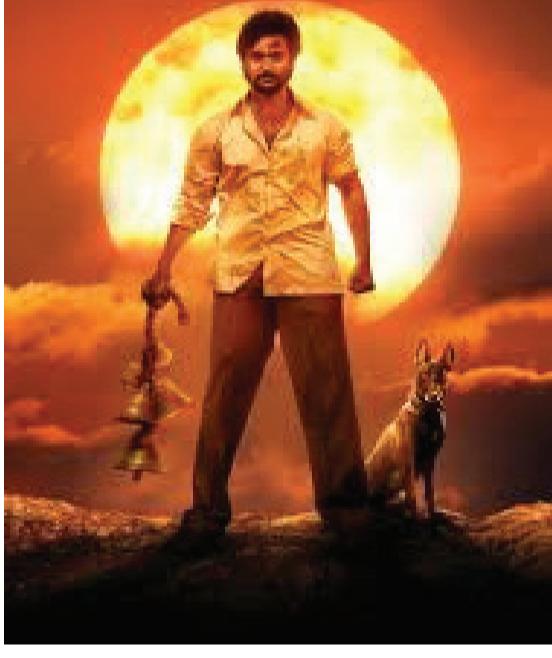
निजी क्षेत्र में महिलाओं ने नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन विधान पाठने के लिए महिलाओं को समर्पित मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर पर पहुँचाया जाए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरातर निवास, राजाबाजार-क्यहरा राड, माटहारा, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रस माटहारा से मुद्रित, सपादक-सागर सूरज\* फ़ान न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (\*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070



# आदि साईकुमार की सुपरनैचुरल थ्रिलर श्रम्भाला: ए मिस्टिकल वर्ल्ड का टीजर आउट

हो नहर हीरो आदि साईकुमार ने निर्देशक उगांधर मुनि के साथ मिलकर बहुप्रतीक्षित सुपरॉनैचुरल थिलर शम्भाला: ए मिस्टिकल वर्ल्ड बनाई है, जिसका निर्माण राजशेखर अनन्मिमोज्ञ और महिंदर रेडी शाइनिंग पितर्चर्स के हैनर तले कर रहे हैं। जैसे-जैसे फिल्म रिलीज के लिए तैयार हो रही है, निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म के प्रमुख कलाकारों के फर्स्ट लुक पोस्टर जारी करके प्रचार शुरू कर दिया है। अब, उन्होंने फिल्म का टीजर जारी करके अगला बड़ा कदम उठाया है। टीजर की शुरूआत एक शक्तिशाली वॉयसओवर से होती है, जिसमें एक रहस्यमयी टुकड़ा अंतरिक्ष से नीचे गिरता है और एक शांत गाँव में गिरता है। आवाज कहती है, इस बहमांड में अनगिनत अथाह रहस्य है। जब विड्डान उन्हें समझा नहीं पाता, तो वह उन्हें अंधिवेशस कहता है। लेकिन जैसे ही उसे कोई स्पष्टीकरण मिल जाता है, वह उसे एक सफलता कहता है। उस क्षण से, दुर्भाग्य की एक श्रृंखला शुरू होती है। मौत बार-बार और बिना किसी चेतावनी के हमला करती है। ऐसा लगता है कि टुकड़ा पाँच तत्वों पर नियंत्रण रखता है, जिससे गाँव में अराजकता फैल जाती है। गाँव के लोग अजीब तरह से व्यवहार करने लगते हैं, जैसे कि किसी अंधेरी शक्ति ने उन पर कब्ज़ा कर लिया हो। वॉयसओवर जारी रहता है, पांच तत्वों को नियंत्रित करना कोई साधारण उपलब्धि नहीं है... इसका प्रभाव इतना व्यापक है कि हम इसकी वजह से आने वाली परिस्थितियों की कल्पना भी नहीं कर सकते। इस उथल-पुथल के बीच, नायक छुरी ताकत को रोकने के लिए गाँव में आता है। हालांकि, अब उस टुकड़े के छेष्पूर्ण प्रभाव में आकर गाँवाले उसके खिलाफ हो जाते हैं और हिंसक हमला कर देते हैं। निर्देशक उगांधर मुनि ने एक अनूठी कहानी चुनी है और इसे मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया है, जो सर्पेस, रोमांच और साजिश से मरम्पूर है। टीजर प्रभावी ढंग से मुख्य पात्रों का परिचय देता है, जिनमें से प्रत्येक अस्थिर और असामान्य व्यवहार प्रदर्शित करता है जो रहस्य की बदाता है।



**सितारे जमीन पर की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बरकरार, पार किया 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा**

इन दिनों आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर की सफलता का जश्न मना रहे हैं। 20 जून को रिलीज हुई उनकी यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 6 दिन पूरे हो गए हैं और इसका खुमार दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। सितारे जमीन पर ने 80 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। आइए जानें फिल्म ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। सैकिनिक के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के छठे दिन 7.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 82.40 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 10.7 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 20.2 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 27.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इस फिल्म ने 8.50 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 8.5 करोड़ रुपये कमाए। आरएस प्रस्तुता ने सितारे जमीन पर की निर्देशन की कमान संभाली है, वहीं आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है। फिल्म में आमिर की जाड़ी पहली बार जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है। जेनेलिया ने फिल्म में आमिर की पत्नी सुनीता का किरदार निभाया है। फिल्म में आमिर ने एक बदनाम बास्केटबॉल कोच गुलशन की भूमिका निभाई है। सितारे जमीन पर की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है।



# अवनीत कौए ने ऑरेंज इंस में गिराई बिजली

एकट्रेस अवनीत कौर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर कहर ढा रही हैं। उन्होंने हाल ही में ऑरेंज हॉल्टर नेक बॉडीकॉर्न ड्रेस में अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जो कुछ ही घंटों में वायरल हो चुकी हैं। इस ड्रेस में अवनीत न केवल बेहद ग्लैमरस लग रही हैं, बल्कि उनका कॉन्फिडेंट अंदाज भी फैस को दीवाना बना रहा है। पोस्ट के कैप्शन में अवनीत ने लिखा, मुझे मेरे दिनांग से बाहर निकालो ज...? ? और उनके इस हाट अवतार पर सेलेब्स भी फिरा हो गए। टन्या चौधरी ने लिखा होशा उड़ जाना! ? ? इसे प्यार करना ? ? वहीं कई फैस ने उन्हें गॉर्जियस और फैशन वीन कहा। इस लुक को और खास बना रही है उनकी डीप नेक ड्रेस का फिनिशिंग कट और स्टल मेकअप के साथ ऐड लिपस्टिक। अवनीत का ये अंदाज उनके फैस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। अवनीत कौर न लिर्फ अपने अग्रिनय के लिए बल्कि अपने स्टाइल और ड्रेसिंग सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। उनका यह लुक एक बार फिर साबित करता है कि वो यंग जनरेशन की स्टाइल आइकन हैं। हर नए फोटोशूट के साथ वह फैशन बार को और ऊपर उठा रही हैं। उनकी इस पोस्ट पर अब तक लाखों लाइक्स और हजारों कमेंट्स आ चुके हैं। अवनीत की ये बोल्ड तस्वीरें यह साबित करती हैं कि वो आने वाले समय में बड़े-बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

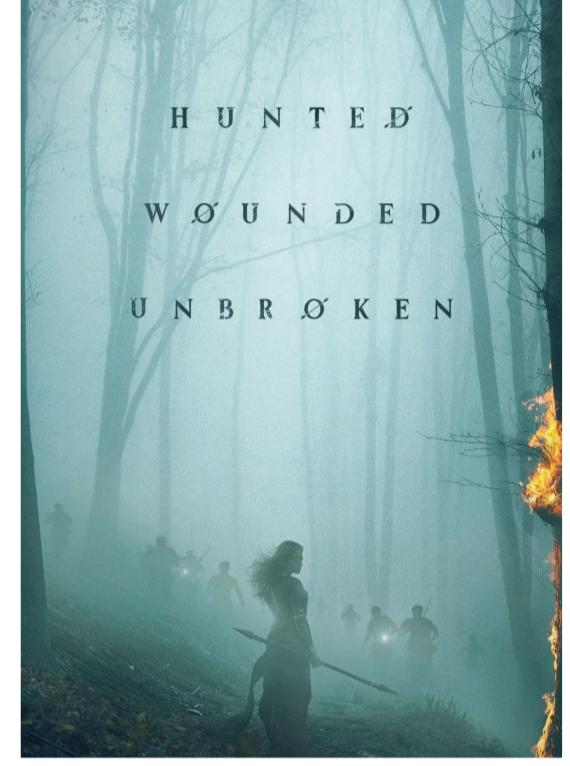
लेटेस्ट  
फोटोशूट से  
सोशल मीडिय  
पर मचाई  
सनसनी



# मनोरंजन

दृष्टिमुका मंदाना ने किया अपनी  
नई फ़िल्म का ऐलान, पहला पोस्टर  
आया सामने, अंधेरे जंगल में भाला  
लिए नज़र आई अमिनजेत्री

**हा** ल ही में रशिमका मंदाना धूगुष अभिनीत कुबेर से चर्चा में हैं। अभिनेत्री इसके अलावा कई और प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। अब एकट्रेस ने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है, जिसमें वो एक योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। आइए जानते हैं क्या है वह अपेक्षित। अभिनेत्री रशिमका मंदान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने अपनी आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें उन्हें योद्धा के अवतार में देखा जा सकता है। पोस्टर में अभिनेत्री का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन वो रौद्र रूप में दिख रही हैं और उनके हाथ में भाला भी है। उनके चारों तरफ तबाही का मंजर है और कुछ लोग उन पर हमला करने के लिए उनका पीछा कर रहे हैं, जिनका अभिनेत्री डिटक्टर सामना करती दिख रही है। रशिमका मंदाना ने अपनी आगामी फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए, फिल्म के बारे में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म के टाइटल की घोषणा शुरूवात यानी कि 27 जून को सुबह 10 बजाकर 8 मिनट पर होगी। इसके साथ ही अभिनेत्री ने स्टोरी के कैप्शन में लिखा कि उनकी इस फिल्म का टाइटल क्या होगा कोई बता सकता है। एकट्रेस ने कहा कि उन्हें लगता है कि कोई नहीं बता सकता, लेकिन अगर कोई बता देता है तो वह उनसे जरूर मिलेंगी। रशिमका मंदाना के करियर फँट की बात करें तो इस समय अभिनेत्री धूगुष की कुबेर में नजर आ रही हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गलफ्रेंड' में रशिमका, विजय देवरकोंडा के अपेक्षित दिखेंगी।



**अजय देवगन की सज आँफ  
सरदार 2 का टीजर रिलीज,  
हंसी-ठहाकों के बीच दिखा  
शानदार एक्शन**

जय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार' 2 का टीजर रिलीज हो गया है, जिसका फैस को बड़ी बेस्पांडी से झंतजार था। इस फिल्म में अजय देवगन ने जर्सी का किरदार निभाया है। इसके टीजर में जोरदार कॉमेडी देखने को मिल रही है और साथ-साथ एकशन की भी झलक दिखी है। आइए देखें ट्रेलर। बड़े झंतजार के बाद अजय देवगन की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का टीजर आज गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इसके टीजर में दिखाया गया है कि अजय देवगन एक बार फिर से जर्सी के किरदार में वापस आ रहे हैं। फिर वह एक विदेशी शादी के चक्कर में फंस जाते हैं, जिसके बाद सारा ड्रामा शुरू हो जाता है और भरपूर एकशन भी दिखाई देता है। इसके अलावा फिल्म के टीजर में मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, विद्यु द्वारा सिंह, चंकी पांडे, दीपक डोबरियाल, कुबरा सैत, शरत सक्सेना, अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। अंत में दिखाया जाता है कि अजय देवगन पंजाब में तो सर्वाहव कर गए, पर क्या स्कॉटलैंड में टिक पाएंगे? इस टीजर में एक सीन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसमें दिवंगत अभिनेता मुकुल देव भी दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म में टीनी का किरदार रिभाएंगे। पिछले महीने मई में अभिनेता का निधन हो गया था। यह उनकी आखिरी फिल्म साबित हुई। फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा कर रहे हैं। वही फिल्म का निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, एन आर पर्चीसिया और प्रवीण तलरेजा मिलकर कर रहे हैं। यह एक एकशन कॉमेडी इम्डी फिल्म है। साथ ही आपको बताते चले कि यह 2012 की फिल्म सन ऑफ सरदार का सीक्कल है। यह फिल्म 25 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



